(8)

22 April, 2013

जनसत्ता

क्रांति बनकर उभरा है देश में सोशल मीडिया

पीआरएसआई की परिचर्चा में पत्रकारों ने जताई राय

शिमला, 21 अप्रैल (जनसत्ता)। पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) के शिमला चैप्टर ने राष्ट्रीय जन संपर्क दिवस के अवसर पर आज शिमला के बचत भवन में 'सोशल मीडिया का बढ़ता महत्वः जन संपर्क की भूमिका' विषय पर परिचर्चा का आयोजन किया।

परिचर्चा की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार पीसी लोहुमी ने की। दि ट्रिब्यून के एसोशिएट एडिटर दिनेश कुमार ने मुख्य भाषण प्रस्तुत किया जबकि वरिष्ठ पत्रकार रवींद्र मखैक ने भी विस्तारपूर्वक विचार रखे। लोहुमी ने कहा कि सोशल मीडिया एक क्रांति बनकर उभरा है जिसके सकारात्मक के साथ-साथ नकारात्मक पहलु भी हैं। जरुरत यह है कि समुचित योजना और शोध के साथ समाज हित में इसके सकारात्मक लाभों का दोहन किया जाए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया आगामी दस वर्षों में पूरे विश्व का प्रमुख मीडिया बनकर उभरने वाला है, इसलिए हमें इसके साथ चलना ही होगा।

दिनेश कुमार ने सोशल मीडिया के माध्यम से सृजित हो रही व्यापक और विविध सूचनाओं के प्रबंधन की कला को सीखने की जरुरत जताई। कहा कि हालांकि आज अत्याधिक सूचना का सम्प्रेषण हो रहा है लेकिन इसमें ज्ञान की अधिकता नहीं है। इसलिए यह जरूरी है कि मीडिया शोध और सूचना के अन्वेषण पर अधिक ध्यान दे ताकि लोगों के समक्ष वास्तविक और तथ्यों पर आधारित जानकारी प्रस्तुत की जा सके। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया से हमारे जीवन में बहुत बड़ा बदलाव आया है लेकिन साथ ही त्वरित सूचनाओं के कारण तनाव की स्थिति भी बढ़ी है क्योंकि बहुत अधिक सूचनाएं मिलने के कारण हमारे पास इनको समझने, मूल्यांकन करने और सत्यापित करने का समय नहीं मिल पा रहा है।

मखैक ने सोशल मीडिया के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि तकनीक के माध्यम से आम आदमी भी समाचार और सूचना के एकत्रीकरण के लिए सशक्त बना है। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव के कारण आम से लेकर खास व्यक्ति इसका उपयोग करने के लिए बाध्य हो रहे हैं। शिमला चैप्टर के अध्यक्ष बीडी शर्मा ने कहा कि सोशल मीडिया तेजी से उभर रहा है जिससे जन संपर्क व्यवसायियों के सम्मुख चुनौतियों के साथ-साथ अपेक्षाओं के अनुरूप बेहतर सेवाएं प्रदान करने के अवसर भी मिले हैं।